HISTORY

B.A.PART-I (Hons)

Paper-II (The Rise of Modern west)

Unit-II, (Process of Early Colonies)

Dr. GUDDY KUMARI

(Guest Lecturer), History Deptt.

A.N.D. College, Samastipur

Lecture Series - 73

"प्रारम्भिक उपनिवेशों की प्रक्रिया"

(PROCESS OF EARLY COLONIES)

यूरोप के पुनर्जागरण काल में समुद्री यात्राओं तथा भौगोलिक अनुसंधान के साथ उपनिवेशों की स्थापना की गई। उपनिवेश की स्थापना का मुख्य उद्देश्य नवीन क्षेत्रों को प्राप्त करके वहा का धन मातृ देश को लाना था। इसी उद्देश्य से स्पेन के अमेरिकी उपनिवेश स्थापित किये गये थे। उपनिवेशों का उद्देश्य उनसे व्यापार के द्वारा लाभ प्राप्त करना था। पुर्तगाल का उद्देश्य पूर्व के देशों से व्यापार करने में लाभ प्राप्त करना था। धीरे-धीरे पुर्तगाल के दृष्टिकोण में परिवर्तन हुआ और व्यापार के साथ उसकी क्षेत्रीय आकांक्षा भी सम्मिलित हो गई। इस प्रकार उपनिवेशवाद साम्राज्यवाद के रूप में परिवर्तित होने लगा। स्पेन और पुर्तगाल के बाद उपनिवेशों की स्थापना में इंग्लैंड ने प्रवेश किया। आरम्भ में अमेरिका में अपने प्रवासी बसाना और पूर्व में व्यापार करना इंग्लैण्ड का उद्देश्य था। लेकिन औद्योगिक क्रान्ति के पश्चात व्यापार तथा उत्पादन के आकार म वृद्धि हो गई। अब कच्चा माल प्राप्त करने का स्रोत तथा निर्मित माल के लिये उपनिवेशों को बाजार समझा जाने लगा। उपनिवेशों को प्राप्त करने तथा व्यापारिक एकाधिकार स्थापित करने के कारण साम्राज्यवाद के रूप में भी परिवर्तन हुआ जो 18 वीं शताब्दी से यूरोपीय युद्धों का कारण बना।

स्पेन के उपनिवेश (Colonies of Spain)

कोलम्बस ने अमेरिका की खोज की थी। स्पेन के राजा फर्डिनेण्ड तथा रानी ईसाबेला की आर्थिक सहायता से उसकी समुद्री यात्रा सम्पन्न हुई थी। अत: स्पेन को इस खोज का लाभ प्राप्त हुआ और उसने अमेरिका में अपने उपनिवेश स्थापित किये। सबसे पहले कोलम्बस बहामा द्वीप समूह पहुँचा था। इसके बाद हैटी और क्यूबा का उसने पता लगाया। उसने द्वितीय यात्रा में जमैका, तीसरी में वेनेजुएला और चौथी यात्रा में होन्डूरास खोजा। इस प्रकार फ्लोरिडा से लेकर वेनेजुएला का प्रदेश स्पेन ने अपने अधिकार में कर लिया और उपनिवेश स्थापित किये। स्पेन के एक अन्य नाविक हरनाण्डो कोर्टस ने 1519 ई. में मेक्सिको को ज्ञात किया। स्पेन ने इस प्रदेश में भी उपनिवेश स्थापित किया। इस प्रकार स्पेन उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिणी अमेरिका में उपनिवेश स्थापित करने वाला पहला देश था।

भौगोलिक अनुसन्धान तथा उपनिवेशों की स्थापना का प्रयास करने वाला पुर्तगाल दूसरा देश था। अफ्रीका के तट और पूर्व के देशों को उसने मुख्य रूप से चुना था। लेकिन अनेक पुर्तगाली नाविक अमेरिका की खोज के बाद दक्षिण अमेरिका के तट के अनुसन्धान में रुचि लेने लगे। स्वाभाविक था कि स्पेन और पुर्तगाल के मध्य इससे विवाद और संघर्ष होने लगे। दोनों देश विवादों

को हल करना चाहते थे। इस उद्देश्य से स्पेन के राजा ने पोप से मध्यस्थता की प्रार्थना की। पोप ने सीमांकन के बारे में 1493 ई. में अपना आदेश दिया। उसने उत्तर से दक्षिण तक एक रेखा खींच दी जो अजोर द्वीप से 100 लीग (300 मील) पश्चिम में होकर जाती थी। पोप ने घोषणा की कि स्पेन का इस रेखा के पश्चिम के प्रदेशों पर और पुर्तगाल का पूर्वी प्रदेशों पर अधिकार होगा। इस विभाजन से पुर्तगाल सन्तुष्ट नहीं था क्योंकि नवीन संसार का समस्त क्षेत्र इससे स्पेन को दे दिया गया था और उसकी गतिविधियाँ अफ्रीका और एशिया तक सीमित रह गई थीं। 1494 ई. में दोनों के मध्य टोर्डेसिलास की सन्धि हुई। इसके अनुसार इस विभाजन रेखा को पश्चिम की ओर हटा दिया गया। इस परिवर्तन से ब्राजील पर अधिकार करने का अवसर पुर्तगाल को प्राप्त हुआ जिसे पुर्तगाली नाविक केबाल ने 1501 ई. में खोजा था। पुर्तगाल ने इस विभाजन रेखा के कारण पूर्वी देशों में अपने उपनिवेशों की स्थापना की।

पुर्तगाल के उपनिवेश (Colonies of Portugal)

पुर्तगाल ने पोप के निर्णय के अनुसार पूर्व की ओर ध्यान केन्द्रित किया। पुर्तगाली नाविक दस्को डि गामा ने 1498 ई. में अफ्रीका के पूर्वी तट का खोजा और भारत के पश्चिमी तट पर वह पहँच गया। इससे अफ्रीका के पूर्वी तट, भारत, पूर्वी देशों में पुर्तगाली उपनिवेश स्थापित किये गये। 1510 ई. में भारत के पश्चिमी तट गोवा, 1512 ई. में पूर्वी तट पर तेनासिरम, लाल सागर पर सोकोत्रा, पूर्व मलक्का आदि पर अधिकार किया। उन्होंने लंका में मन्नार और कोलम्बो को शक्ति का केंद्र बनाया। पूर्वी द्वीप समूह में उन्होंने उपनिवेश स्थापित किया और थाईलैंड, चीन, जापान की ओर बढ़ना शुरू किया। उन्हानें अफ्रीका के तट पर सोफाला और मोजाम्बिक में व्यापारिक केन्द्र स्थापित किये। ब्राजील दक्षिण अमेरिका में उनका उपनिवेश था।

धन्यवाद

की दिशा में कार्य

0O REDMI NO